

**2024-25**  
**DRAWING & PAINTING (120)**  
**CLASS XI (THEORY)**

**One Paper**

**Time:3 Hours**

**30 Marks**

**Unitwise Weightage**

<b>Units</b>	<b>Marks</b>
<b>History of Indian Art</b>	
1. Art of Indus Valley	05
2. Buddhist, Jain & Hindu Art Temple Sculpture. Broznes and Artistic aspects of Indo- Islamic	10
3. Architecture	15

**Unit 1: Art of Indus Valley**

(2500 B.C. to 1500 B.C.)

**(1) Introduction**

- (i) Period and Location.
- (ii) Extension: In about 1500 miles
  - (a) Harappa & Mohenjo-daro (Now in Pakistan)
  - (b) Ropar, Lothal, Rangpur, Alamgirpur, Kali Bangan, Banawali and Dhaula Veera (in India)

**(2) Study of following Sculptures and Terracottas:**

- (i) Dancing girl  
(Mohenjo-daro)  
Bronze, 10.5 x 5 x  
2.5 cm. Circa 2500  
B.C.  
(Collection: National Museum, New Delhi).
- (ii) Male Torso (Harappa)  
Red lime Stone, 9.2 x  
5.8 x 3 cms. Circa 2500  
B.C.  
(Collection: National Museum, New Delhi).
- (iii) Mother Goddess (Mohenjo-daro) terracotta, 22 x 8 x 5 cm.  
Circa 2500 B.C.

(Collection: National Museum New Delhi).

**(3) Study of following Seal:**

- (i) Bull (Mohenjo-daro)  
Stone (Steatite), 2.5 x  
2.5 x 1.4 cm. Circa 2500  
B.C.  
(Collection: National Museum, New Delhi).

**(4) Study of following :  
Decoration on earthen wares:**

- (i) Painted earthen-ware (Jar)  
Mohenjo-daro (Collection:  
National Museum, New Delhi).

**Unit 2: Buddhist, Jain and Hindu Art**

(3rd century B.C. to 8th century A.D.)

**(1) General Introduction to Art, during Mauryan, Shunga,  
Kushana & Gupta period:**

**(2) Study of following Sculptures:**

- (i) Lion Capital from Sarnath (Mauryan period)  
Polished sand stone, Circa 3rd Century B.C.  
(Collection: Sarnath Museum, U.P.)
- (ii) Chauri Bearer from Didar Ganj (Mauryan period)  
Polished sand stone  
Circa 3rd Century B.C.  
(Collection: Patna Museum, Bihar)
- (iii) Bodhisattva head from Taxila  
(Gandhara period) Stone, 27.5 x 20 x  
15c.m. Circa 2nd Century A.D.  
(Collection: National Museum, New Delhi)
- (iv) Seated Buddha from Katra Tila Mathura-  
(Kushan Period) Red-spotted Sand Stone,  
Circa 3rd Century AD. Stone
- (v) (Collection: Mathura Museum)
- (vi) Seated Buddha from Sarnath  
(Gupta period) Stone  
Circa 5th century AD  
(Collection: Sarnath Museum U.P.)
- (vii) Jain Tirathankara  
(Gupta period) Stone  
Circa 5th Century A.D.  
(Collection : State Museum, Lucknow U.P.)

**(3) Introduction to Ajanta**

Location, period, No. of caves, Chaitya and Vihara, Paintings and Sculptures, subjectmatter and technique etc.

**(4) Study of Following**

Painting & Sculpture:

- (i) Padmapani Bodhisattva (Ajanta Cave No. 1) Mural Painting  
Circa 5th Century A.D.
- (ii) Mara Vijay (Ajanta Cave No. 26) Sculpture in stone.  
Circa 5th Century A.D.

**Unit 3: Temples Sculpture, Bronzes and Indo-Islamic Architecture**

Artistic aspects of Indian Temples

(6th Century A.D. to 13th Century A.D.)

- (1) Introduction to Temple Sculpture  
(6th Century A.D. to 13th Century A.D.)
- (2) Study of following Temple-Sculptures;
  - (i) Descent of Ganga (Pallava period, Mahabalipuram Tamilnadu), Granite rock Circa 7th Century A.D.
  - (ii) Ravana shaking Mount Kailash (Rashtrakuta period, Ellora, Maharashtra) Stone 8th Century A.D. ,
  - (iii) Trimurti (Elephanta, Maharashtra) Stone  
Circa 9th Century A.D.
  - (iv) Lakshmi Narayana (Kandariya Mahadev Temple) (Chandela period, Khajuraho, M.P.) Stone  
Circa 10th Century A.D.
  - (v) Cymbal Player, Sun Temple (Ganga Dynesty, Konark, Orissa) Stone.  
Circa 13th Century A.D.
  - (vi) Mother & Child (Vimal-Shah Temple, Solanki Dynesty, Dilwara, Mount Abu, Rajasthan) White marble.  
Circa 13th Century A.D.

**(3) Bronzes :**

- (i) Introduction to Indian Bronzes
- (ii) Method of casting (solid and hollow)

**(4) Study of following south Indian Bronzes:**

- (i) Nataraj (Thanjavur Distt., Tamilnadu)  
Chola period (12th Century A.D.)  
(Collection: National Museum, New Delhi.) I
- (ii) Devi (Uma)  
Chola Period ( 11th Century A.D.)  
(Collection: National Museum, New Delhi.)

**(5) Artistic Aspects of the Indo-Islamic Architecture**

- (i) Introduction

**(6) Study of following architectures:**

- (i) Qutab Minar, Delhi
- (ii) Taj Mahal, Agra
- (iii) Gol Gumbaj of Bijapur.

## CLASS XI (Practical)

One Paper

Time: 6 Hours

70 Marks

### Unitwise Weightage

Units	Marks
1. Nature and Object Study	25
2. Painting Composition	25
3. Sessional Work	15
4. Continuous Assessment (Unit Test)	05

#### Unit 1: Nature and Object Study

Study of two or three natural and geometric forms in pencil with light and shade from a fixed point of view. Natural forms like plants, vegetables, fruits and flowers etc., are to be used. Geometrical forms of objects like cubes, cones, prisms, cylinders and sphere should be used.

(25 Marks)

#### Unit 2: Painting Composition

(i) Simple exercises of basic design in variation of linear geometric and Rhythmic shapes in primary and secondary colours to understand designs as organized visual arrangements.

(15 Marks)

(ii) Sketches from Life and Nature

(10 Marks)

#### Unit 3 : Sessional Work

(a) Five selected Nature and object study exercises drawings in any media done during the session including minimum of two still life exercise. (10 Marks)

(b) Two selected works of paintings done during the year (05 Marks)

These selected works prepared during the course by the candidates and certified by the school authorities as the work done in the school will be placed before the examiners for assessment.

Unit 4: Continuous Assessment

(05 Marks)

2024–25  
झाड़ग एण्ड पेन्टिंग(120)  
(सैद्धान्तिक)  
CLASS XII

One Paper  
Marks : 30

Time- 3 Hours

इकाईवार प्राथमिकता	
भारतीय कला का इतिहास	
इकाई	अंक
1. राजस्थानी एवं पहाड़ी शैली के लघु चित्र	10
2. मुगल और दक्षिण शैली के लघु चित्र	10
3. बंगाल स्कूल की पेन्टिंग और भारतीय कला मॉडर्न ट्रेन्ड	10
	30

इकाई-1.

10 अंक

राजस्थानी और पहाड़ी शैली के लघु चित्र (16वीं शताब्दी ई. से 19वीं शताब्दी ई.)  
भारतीय लघु चित्र शैली का परिचय : पाश्चात्य- भारतीय, पाल, राजस्थानी, मुगल, मध्य भारत,  
दक्षिण और पहाड़ी।

**A** - राजस्थानी शैली

- उद्भव और विकास
- उपशैलियां- मेवाड़, बूंदी, जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़ और जयपुर
- राजस्थानी शैली के मुख्य लक्षण
- नीचे दिए गए राजस्थानी चित्रों का अध्ययन

शीर्षक	चित्रकार	उपशैलियां
मारू रागीनी	साहिबदीन	मेवाड़
राजा अनिरुद्ध सिंह	हारा उत्कल राम	बूंदी
छौगन प्लेयर्स	दाना	जोधपुर
झूले में श्रीकृष्ण	नुरुदीन	बीकानेर
राधा (बनी-ठनी)	निहाल चन्द्र	किशनगढ़
भरत से राम का मिलन	गुमान	जयपुर

**ठ** . पहाड़ी शैली

- उद्भव और विकास
- उपशैली - बसोहली और कांगड़ा
- पहाड़ी शैली के मुख्य लक्षण
- नीचे दिए गए पहाड़ी चित्रों का अध्ययन

शीर्षक	उपशैली
कृष्ण और गोपियां	बसोहली
राग मेघ (मेघ राग)	कांगड़ा

**इकाई-2.**

10 अंक

**मुगल और दक्षिण शैली के लघु चित्र (16वीं. शताब्दी ई. से 19वीं. शताब्दी ई.)**

I . मुगल शैली

1. उद्भव और विकास
2. मुगल शैली के मुख्य लक्षण
3. नीचे दिए गए मुगल चित्रों का अध्ययन

शीर्षक	चित्रकार	काल
गोवर्धन पर्वत उठाए हुए कृष्ण	मिस्किन	अकबर
सोन नदी पार करते हुए बाबर	जगन्नाथ	अकबर
मडोना का चित्र पकड़े हुए जहाँगीर	अबुल हसन	जहाँगीर
फालकॉन ऑन अ बर्ड रेस्ट	उस्ताद मंसूर	जहाँगीर
कबीर और रैदास	उस्ताद फकिरुल्लाह खान	शाहजहाँ
दारा शिकोह की शादी	हाजी मदनी	मुगल जनपद (अवध)

II . दक्षिण शैली

1. उद्भव और विकास
2. दक्षिण शैली के मुख्य लक्षण
3. दक्षिण शैली के चित्रों का अध्ययन

शीर्षक	उपशैली
नर्तक	हैदराबाद
चाँद बीबी पोलो खेलती हुई (चौगान)	गोल कुण्डा

**इकाई-3.**

10 अंक

बंगाल स्कूल और आधुनिक शैली में भारतीय कला

**A 1. (a)** भारतीय कला का नया युग – एक परिचय**(b)** नीचे दिए गए चित्रों का अध्ययन

1. समुद्र के घमंड को चूर करते राम – राजा रवि वर्मा
2. भारतीय ध्वज का मूल्यांकन (प्रथम 1906, मध्य-1921 और अन्तिम रूप-1947) आकारों तथा रंगों का चुनाव एक अध्ययन।

**B. (1)** बंगाल चित्र शैली का परिचय

1. बंगाल शैली का उद्भव और विकास
2. बंगाल शैली के मुख्य चित्र
  - (2) राष्ट्रीय स्वतंत्रता के आन्दोलन के संघर्ष में भारतीय कलाकारों का योगदान।
  - (3) नीचे दिए गए बंगाल शैली की पेन्टिंग का अध्ययन
    1. यात्रा का अन्त – अविन्द्र नाथ टैगोर
    2. पार्थसारथी – नन्दलाल बोस
    3. राधिका – एम.ए.आर. चुगताई

**C.** भारतीय कला में आधुनिक चलन परिचय

(1). नीचे दिए गए चित्रों का अध्ययन

1. जादूगर – गगनेन्द्र नाथ टैगोर
2. माँ और बच्चा – यामिनी राय
3. वूमैन फेस – रविन्द्र नाथ टैगोर
4. तीन लड़कियाँ – अमृता शेरगिल

- (2) नीचे दिए गए मूर्तिकला का अध्ययन  
 1. ट्रम्पन (मेहनत की जीत) – डी.पी. राय चौधरी  
 2. संधाल परिवार – रामकिंकर वैज  
 (3) नीचे दिए गए भारतीय समकालीन कला का अध्ययन

<b>A. चित्रकला</b>
1. मदर टेरेसा – एम.एफ. हुसैन
2. कविता का जन्म – के.के. हैबबार
3. गॉसिप – एन.एस.बेन्द्रे
4. अनटाइटिल – जी.आर. संतोष
5. डाइगनल – तैयब मेहता
<b>(4) ग्रैफिक प्रिंट्स</b>
1. वर्हलपूल – कृष्णा रेड्डी
2. चिल्ड्रेन – सोमनाथ होर
3. देवी – ज्योति भट्ट
4. आफ वाल्स – अनुपम सूद
5. मैन, वूमैन एण्ड ट्री – के. लक्ष्मण गौण
<b>(5) मूर्तिकला</b>
1. स्टैण्डिंग वूमैन – धनराज भगत
2. क्राइज अन हर्ड – अमरनाथ सहगल
3. गणेश – पी.वी. जानकीराय
4. फिगर – शंखो चौधरी
5. चतुर्मुखी – इक्का यादा गिरी राव

नोट – उपरोक्त उल्लिखित कलाकारों के नाम एवं उनके कलात्मक कार्य केवल सुझाव मात्र हैं न कि पूर्ण । शिक्षक और और विद्यार्थी उन्हें अपने संसाधनों के अनुरूप बढ़ा सकते हैं लेकिन प्रश्न पत्र केवल उपरोक्त सम्बन्धित कलात्मक कार्यों पर ही आधारित होंगे ।

## प्रायोगिक

पूर्णांक: 70

समय: 6 घण्टे

इकाईवार प्राथमिकता एव अंक योजना		
इकाई	आन्तरिक मूल्यांकनकर्ता	वाह्य मूल्यांकनकर्ता
1. प्रकृति एवं वस्तु चित्रण		20
2. चित्र संयोजन	05	15
3. सत्रीय कार्य (सेसनल कार्य)	15	—
4. मौखिक	10	—
5. सतत मूल्यांकन (इकाई परीक्षा)	05	—

**इकाई 1** – प्रकृति एवं वस्तु चित्रण

20

रंगों द्वारा छाया-प्रकाश दर्शाते हुए

• प्रकृति चित्रण – फल, फूल, पौधे तथा सब्जियाँ

• वस्तु चित्र – ज्यामितीय आकारों (शंकु, प्रिज्म, घन तथा बेलन एवं मिले-जुले रूप) वाली वस्तुएं (स्टिल लाइफ)

**इकाई 2** – चित्र संयोजन/दृश्य चित्रांकन

20

रंगों द्वारा चित्रांकन किया जाना है।।

- मानवाकृतियों को आधार बनाते हुए विभिन्न चित्र संयोजन जैसे— विवाहोत्सव, रसोईघर, रायनकक्ष, खेल के मैदान आदि।
- स्केचिंग—लाइफ (मानवाकृतियों) एवं प्रकृति आदि।

### **इकाई 3 – सेशनल**

सत्र के दौरान किए गए कार्यों में से

- सत्र के दौरान बनाए गए पांच चयनित प्रकृति एवं वस्तु चित्रण होने चाहिए जिसमें 2 स्टिफ लाइफ चित्रण किसी भी माध्यम में लिए जाएं। 10
- सत्र के दौरान किए दो चयनित पेन्टिंग जितने भी चयनित चित्र विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए। वे ही चित्र परीक्षक के सामने प्रस्तुत किए जाएं जो शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा प्रमाणित हों। 05

**इकाई 4 – मौखिक परीक्षा**

10

**इकाई 5— सतत मूल्यांकन**

05